वर्ष-9 | अंक 52 | भोपाल, 18 अगस्त से 24 अगस्त 2025 तक पृष्ठ-12 MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल

मुल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

पारदर्शी भर्ती के लिये बनेगा पुलिस भर्ती बोर्ड : सीएम

पुलिस, जेल एवं नगर सुरक्षा के शहीदों की विधवा और बच्चों के लिए स्नातक स्तर की सीटों पर दिया जाएगा आरक्षण

वीवीआईपी मूवमेंट में तैनात सुरक्षाकर्मियों को छठवें वेतनमान का विशेष भत्ता एवं जोखिम भत्ता भी दिया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वाधीनता दिवस पर सभी पदक विजेताओं और उनके परिजन से की भेंट, किया सम्मान

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी पुलिस बेहद चुनौतियों के बीच अपना दायित्व निर्वहन करती है। इसलिए इनका कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी पुलिस विभाग की भर्ती कर्मचारी चयन मंडल से होती है। इसमें कुछ वक्त लग जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस को जल्द से जल्द मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए घोषणा करते हुए कहा कि अब प्रदेश में मप्र पुलिस भर्ती बोर्ड का गठन किया जाएगा। इससे पुलिस भर्तियों में तेजी, पारदर्शिता और परफेक्शन आएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 के लिए स्वीकृत पदों की भर्ती मप्र पुलिस भर्ती बोर्ड की ओर से कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा की जायेगी। आगामी वर्षों की भर्तियां पुलिस भर्ती बोर्ड% द्वारा की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस, जेल और नगर सेना एवं सुरक्षा तीनों विभागों के शहीदों की विधवाओं और बच्चों के लिए स्नातक स्तर के सभी कोर्सेस में विभिन्न प्राथमिकता श्रेणियों में एक अतिरिक्त सीट पर आरक्षण दिया जाएगा। पुलिस भर्ती पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष हमने 7,500 रिक्त पदों पर भर्ती की अनुमति दी है। पुलिस के करीब 22 हजार 500 पदों पर भर्ती होनी है। इसलिए अब हर साल 7,500-7,500 पदों पर भर्ती कर तीन साल में पुलिस विभाग के सभी रिक्त पद भर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीवीआईपी ड्यूटी में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों सहित उप पुलिस अधीक्षक और इससे उच्च अधिकारियों को भी अब छठवें वेतनमान का पद पात्रतानुसार निर्धारित विशेष भत्ता एवं जोखिम भत्ता दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गृह विभाग से जुड़ी सभी सेवाओं के आधुनिकीकरण एवं भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए बहुत जल्द गृह एवं वित्त विभाग की संयुक्त बैठक कर सभी लंबित

मसलों का समुचित समाधान निकाला जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के राज्य स्तरीय समारोह में पदक विजेता अधिकारी-कर्मचारियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पदक पाने वाले पुलिस, जेल एवं नगर सेना एवं नगर सुरक्षा विभाग के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों और उनके परिजनों से बेहद आत्मीयतापूर्वक भेंट की और सभी को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनुशासन, आज्ञाकारिता और सेवा समर्पण ही यूनिफॉर्म सर्विसेस की मूल पहचान है। अपनी जिम्मेदारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पित सेवाओं से आपने न केवल अपने विभाग, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ, यादव ने अपनी असाधारण सेवाओं और उत्कृष्ट योगदान के लिए पदक विजेताओं के कुशल कार्यपालिक कार्य (परफेक्शन) को प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि कर्तव्यनिष्ठा और पूर्ण सेवाभाव से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रकार की यूनिफार्म सर्विसेस की सराहना करते हुए कहा कि आपकी विशिष्ट सेवाओं के लिए पदक तो आपको मिलता है, लेकिन मान हमारा बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आपकी सेवाओं में सरकार हर घड़ी आपके साथ है। पुलिस, जेल और नगर सेना एवं सुरक्षा विभाग के त्वरित आधुनिकीकरण के लिए कोई कमी, कोई ढिलाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी अपनी सेवाओं के साथ अपने परिवार को भी समय दें, अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें और एक स्वस्थ एवं उन्नत समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि यह नए दौर का भारत है। मध्यप्रदेश भी विकास की ओर एक नई उड़ान पर है। नक्सलवाद हमारे लिए गंभीर चुनौती है, यह देश के लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। हमने तय किया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मार्च 2026 तक हम मध्यप्रदेश को नक्सलमुक्त कर देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देकर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़-दो साल में पुलिस ने बहुत अच्छा काम किया है। मुख्यमंत्री ने डकैत उन्मूलन, नक्सल उन्मूलन, नशामुक्ति, सायबर फ्रॉड, महिला सुरक्षा, गौवंश तस्करी, गुंडे बदमाशों, अवैध हथियार रखने पर सख्त अंकुश और ऑपरेशन सृजन जैसे नवाचारों के लिए पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि सरकार पुलिस सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए हमने पुलिस हॉस्पिटल का शुभारंभ, दिशा लर्निंग सेंटर और शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन को एक करोड़ रूपए की सम्मान राशि देने जैसे कई प्रयास किए हैं। ये प्रयास हमेशा जारी रहेंगे। स्वागत उद्बोधन में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रेरणा से हमें अपनी सेवाओं की बेहतरी के लिए मानव एवं तकनीकी संसाधन मिल रहे हैं। गुरूवार 14 अगस्त को ही प्रदेश में आपातकालीन सेवा के रूप में डायल-112 का शुभारंभ हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पुलिस भर्तियां भी तेजी से चल रही हैं। नए आपराधिक कानूनों का भी हम प्रभावी रूप से पालन करा रहे हैं। हम ई-ऑफिस की तरफ बढ़ रहे हैं। पुलिस मुख्यालय ई-ऑफिस से लैस हो गया है, फील्ड की सभी इकाइयां भी ई-ऑफिस से जुड़ रही हैं।

भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं, आइए संकल्प लें एक सशक्त, समृद्ध और एकजुट भारत का निर्माण करें।

गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

प्रख्यात गायक सुरेश वाडकर ने राष्ट्रभक्ति गीतों से समां बांधा

मुख्यमंत्री ने आजादी का महापर्व कार्यक्रम में प्रदान किए राष्ट्रीय अलंकरण

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती अनेक वीर योद्धाओं, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र सेवियों द्वारा राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए जीवन का बलिदान करने की साक्षी रही है। राष्ट्र के निर्माण में भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली विभूतियां अभिनंदन की पात्र हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी विभूतियों का चयन कर उन्हें सम्मानित करने की परम्परा है। संस्कृति, पर्यटन और सहयोगी संस्थाओं ने अभिनव और गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया है, जो सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की शाम रवीन्द्र भवन, स्थित हंसध्वनि सभागार में आजादी का महापर्व कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर देश की गणमान्य हस्तियों को वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान, अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान, महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान और महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब हम भारत माता की जय बोलते हैं तो रोम रोम रोमांचित हो जाता है। आनंद का प्रवाह कई गुना प्रारंभ हो जाता है। यह परमात्मा की दया है जिस देश में हमने जन्म लिया है उस देश को पूरी दुनिया बड़े आदर के साथ देखती है। हमारे देश की सनातन संस्कृति की कई विशेषताएं हैं। हर काल, हर युग में हर समय दुनिया के लिए हर उलझे-सुलझे प्रश्नों के उत्तर यह संस्कृति देती आई है। दुनिया सदैव कई प्रश्नों का उत्तर प्राप्त करने के लिए भारत की तरफ देखती रही है और भारत ने सदैव उत्तर देने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमें इस बात का गर्व और आनंद भी है कि बदलते दौर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आपरेशन सिंदूर के माध्यम से हम सभी ने भारत का पराक्रम देखा है। इस आपरेशन के माध्यम से सेना के सामर्थ्य को देखा है। लेकिन एक और दौर से हम गुजर रहे हैं, एक तरफ वैश्विक उथल-पुथल में अलग-अलग प्रकार से अब सारी घटनाओं को भी देख रहे हैं। दूसरी तरफ भारत की प्रगति यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तमाम चुनौतियों के बीच कितने ही प्रकार से हो रही है। गत 11 साल का समय अभूतपूर्व रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा धारा 370 की समाप्ति, अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम और आंतक की समाप्ति की दिशा में उल्लेखनीय और ऐतिहासिक कार्य किए हैं। भारत विश्व में अपनी साख बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समस्त पुरस्कृत विभूतियों को बधाई देते हुए राष्ट्र हित में किए गए उनके कार्यों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान, अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद राष्ट्रीय सम्मान, महर्षि वेदव्यास राष्ट्रीय सम्मान एवं महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान अंतर्गत रुपये 2-2 लाख की सम्मान निधि, प्रशस्ति एवं सम्मान पट्टिका से देश की महान् विभूतियों का सम्मानित किया गया। देश की सुरक्षा, वीरता, नारी उत्थान, सामाजिक पुनर्जागरण में श्रेष्ठतम उपलब्धियों के लिए स्थापित वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान सुश्री मीनाक्षी जैन नईदिल्ली, डॉ. शशिप्रभा कुमार (नोएडा), श्रीमती इंदुमति काटदरे (अहमदाबाद) एवं डॉ. पी.टी.उषा नई दिल्ली को प्रदान किया गया।

स्वतंत्रता दिवस

पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा ने कमिश्नर कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया

स्वतंत्रता दिवस

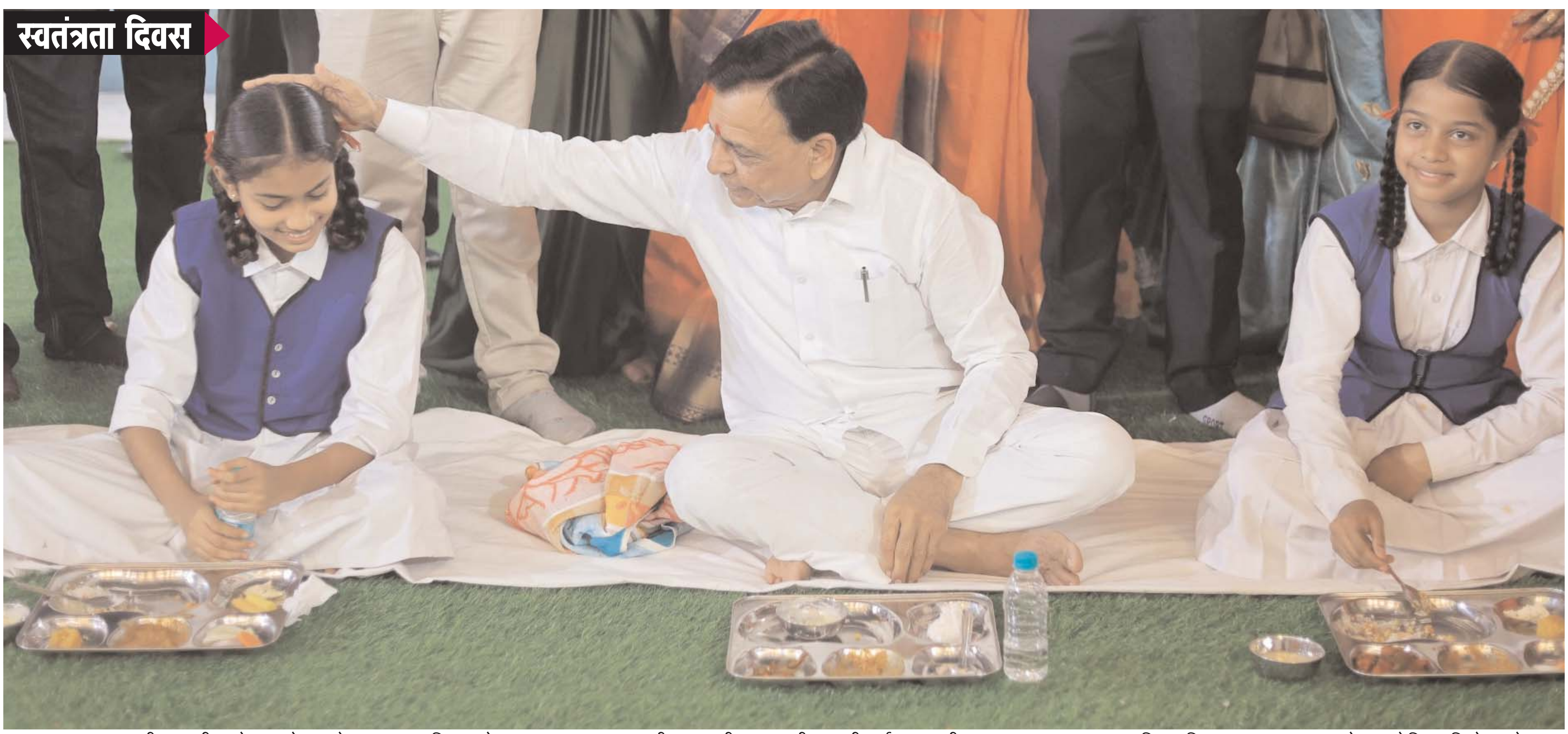

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर पी. एम. श्री महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जबलपुर में आयोजित विशेष भोज कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के उज्वल भविष्य के आधारस्तंभ, हमारे प्रतिभावान विद्यार्थियों के साथ स्वादिष्ट एवं पौष्टिक मध्याह्न भोजन ग्रहण किया।

देश की स्वतंत्रता अनगिनत त्याग और बलिदान का परिणाम है..
.आप सभी को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई!
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

स्वतंत्रता दिवस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में परेड निरीक्षण के दौरान जनता का अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाल परेड ग्राउड भोपाल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुलिस, जेल और होमगार्ड के अधिकारी-कर्मचारियों को वीरता, विशिष्ट सेवा एवं सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया।

ख्यमंत्री निवास पर आयोजित पदक विजेता सम्मान समारोह में देशभक्ति पूर्ण प्रस्तुतियां हुई।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में शान से लहराया तिरंगा....
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

हवा-पानी की आज़ादी के बिना आज़ादी अधूरी

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे आज़ादी को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आज़ादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आज़ादी मिली है? आज़ादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ़ झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा

संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज़ बनती जा रही है। 'हवा-पानी की आज़ादी' का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है। सेना के शौर्य को समर्पित होगा पीएम मोदी का भाषण? हो सकते हैं महिला कल्याण, किसानों से जुड़े बड़े ऐलान जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बर्बादी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है। दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 'बहुत खराब' या 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को ज़हरीला बना रहे हैं। भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे-अब भी खरे हैं तालाब। आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने 'अटल भूजल योजना', 'नल से जल' और 'नदी पुनर्जीवन' जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए।

सम्पादकीय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वतंत्रता आंदोलन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बारे में अज्ञानता से घिरे लोग अकसर यह प्रश्न पूछते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही है? कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ जाते हैं और पूछते हैं कि संघ के किसी एक कार्यकर्ता का नाम ही बता दीजिए, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया हो? संघ की स्थापना जिन्होंने की, वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वयं ही जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. हेडगेवार क्रांतिकारी भी रहे, कांग्रेस में रहकर राजनीतिक संघर्ष किया और जेल भी गए। बाद में, देश की सर्वांग स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को स्थायी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेडगेवार अकेले नहीं हैं, अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले संघ के ज्ञात-अज्ञात कार्यकर्ताओं की लंबी शृंखला है। जो संगठन अपने कार्यकर्ताओं को यह शपथ दिलाता हो कि मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घटक बना हूँ, उसने कितने ही लोगों के मन में स्वतंत्रता प्राप्ति का भाव भरा होगा, उसकी सहज कल्पना की जा सकती है। भारत में प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है। हमें भीष्म प्रतिज्ञा का स्मरण है। राजा हरिशचंद्र की सत्य बोलने की प्रतिज्ञा ध्यान है। मुगलिया सल्तनत के अत्याचार के विरुद्ध महाराणा प्रताप की प्रतिज्ञा को कौन भूल सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने शिव को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करके 'स्वराज्य' की नींव रखी, जिसे साकार करने में संपूर्ण समाज प्राणपण से जुट गया। संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है। उन्होंने कहा- हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वाधीनता है। संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य के लिए हुआ है। इस स्पष्ट अभिव्यक्ति के बाद कहने के लिए कुछ और भी बचता है क्या? यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अपनी नित्य प्रार्थना में कहते हैं कि इस राष्ट्र को परम वैभव पर लेकर जाना है। क्या कोई पराधीन राष्ट्र परम वैभव पर जा सकता है? स्पष्ट है कि भारत की स्वतंत्रता का लक्ष्य संघ की स्थापना में निहित था। डॉक्टर साहब ने 1929 में वर्धा में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भी स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की एक सभा में प्रखरता के साथ कहा- ब्रिटेन की सरकार ने अनेक बार भारत को स्वतंत्र करने का आश्वासन दिया है, परंतु वह झूठा साबित हुआ। अब यह साफ हो गया कि भारत अपने बल पर स्वतंत्रता प्राप्त करेगा। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने महात्मा गांधी के आह्वान पर 'नमक सत्याग्रह' में शामिल होकर विदर्भ प्रांत में 1930 में 'जंगल सत्याग्रह' किया। इस आंदोलन में उनके साथ अनेक प्रमुख स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।

स्वतंत्रता दिवस पर भोपाल उत्तर के लोकप्रिय विधायक श्री आतिफ आरिफ अकील जी के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा में भागीदारी की!

जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

स्वतंत्रता दिवस

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने जबलपुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

website: www.newscrimefile.com

email: newscrimefile@yahoo.com

हम जैसे भारत माता की जयघ्र बोलते हैं, पूरा शरीर रोमांचित हो जाता है, आनंद का प्रवाह कई गुना हो जाता है...
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

पीएम रिपोर्ट में मल्टीपल फ्रैक्चर मिले

बैंक अफसर की नशामुक्ति केंद्र में पिटाई से मौत

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर में पंजाब नेशनल बैंक के फील्ड ऑफिसर पंकज शर्मा की नशामुक्ति केंद्र में हुई मौत को पुलिस ने हत्या मान लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनके माथे, आंख, सीने और कमर पर गंभीर चोटें दिखीं। सिर से लेकर पसलियों तक कई जगह फ्रैक्चर भी मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, मस्तिष्क और बाएं फेफड़े में गहरी चोटों के साथ शरीर पर मौजूद घावों के कारण उनकी मौत हुई। इस आधार पर महाराजपुरा थाना पुलिस ने नशामुक्ति केंद्र के संचालकों सहित पांच लोगों के खिलाफ गुरुवार रात हत्या का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों पर दबिश भी दी, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्त में नहीं आया है।

नशामुक्ति केंद्र संचालक साथ ले गए थे

ग्वालियर में मुरार के त्यागी नगर निवासी पंकज शर्मा (33) पंजाब नेशनल बैंक की क्रेडिट शाखा में फील्ड ऑफिसर थे। कुछ दिन पहले वे स्मैक और गांजा की लत का शिकार हो गए। हालत बिगड़ने पर परिवार ने उन्हें 25 जुलाई 2025 को महाराजपुरा स्थित शनिचरा रोड पर मिनी गोल्डन संस्कार नशामुक्ति केंद्र में भर्ती कराया। 12 अगस्त की सुबह पंकज समेत 7-8 लोग नशामुक्ति केंद्र से भाग निकले। घर लौटे पंकज को पूरी तरह स्वस्थ देखने के बावजूद परिजन ने भविष्य की चिंता में

पंकज शर्मा, मृतक

नशामुक्ति केंद्र को इसकी सूचना दे दी। इसके बाद नशामुक्ति केंद्र के संचालक विशाल कांकर और हर्ष शिंदे पंकज को दोबारा अपने साथ ले गए। 13 अगस्त की सुबह परिजन को कांकर और शिंदे का फोन आया कि पंकज की तबीयत बिगड़ गई है। वे उसे लेकर जयारोग्य अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर जा रहे हैं। उन्होंने परिजन से भी वहां पहुंचने के लिए कहा। अस्पताल पहुंचने पर परिजन ने देखा कि पंकज ट्रॉमा सेंटर में स्ट्रेचर पर मृत अवस्था में पड़ा था।

पत्नी-बेटी से मिलने घर आए थे

पंकज शर्मा की शादी मुरार निवासी अनुकृति कटारे से हुई थी। एक बेटी भी है। मौत से एक दिन पहले वह नशामुक्ति केंद्र से भागकर बेटी और पत्नी से ही मिलने आया था। पत्नी ने कहा- क्या पता था कि यह आखिरी मुलाकात है। पंकज के मामा केशव दत्त शर्मा ने बताया- पंकज की बॉडी पर गंभीर चोटों के निशान थे। 24 घंटे पहले वह पूरी तरह स्वस्थ था।

चश्मदीद बोला- हाथ, पैर बांधकर मारा

मिनी गोल्डन संस्कार नशामुक्ति केंद्र में भर्ती दीपक राजावत ने दैनिक भास्कर से कहा- हमें भी वहां बंधक बनाकर रखा गया था। मेरी आंखों के सामने पूरा वाकया हुआ है। पंकज को निर्वस्त्र करने के बाद हाथ-पैर बांधकर मारा गया। पंकज रो रहा था, लेकिन वे लोग रुक नहीं रहे थे। उसकी लाख मिन्नतों के बाद भी नशा मुक्ति केंद्र के संचालकों ने उसे नहीं छोड़ा। हम बीच में बोलते तो हमें भी मारते।

संचालकों समेत 5 पर मामला दर्ज

महाराजपुरा थाना प्रभारी धर्मेंद्र यादव ने बताया- पंकज की मौत शुरू से ही संदिग्ध लग रही थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच में साफ हो गया है कि उसे नशामुक्ति केंद्र में बुरी तरह पीटा गया। हमने मिनी गोल्डन संस्कार नशामुक्ति केंद्र के संचालक विशाल कांकर (निवासी गोहद, भिंड) और हर्ष शिंदे (निवासी चौहान प्याऊ, थाटीपुर) के साथ ग्वालियर निवासी रवि तोमर, धर्मेंद्र जादौन और कृष्ण मुरारी दीक्षित (निवासी पीएसी गली, इटावा, यूपी) के खिलाफ केस दर्ज किया है।

स्वतंत्रता दिवस

आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने स्वतंत्रता दिवस पर जनसंपर्क संचालनालय परिसर में ध्वजारोहण किया।

महिदपुर में मां ने की दो बेटियों की हत्या

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन के महिदपुर में शुक्रवार को एक दर्दनाक मामला सामने आया। पूजा, पति अशोक बंजारा ने अपनी दो मासूम बेटियों - चार साल की उमा और आठ महीने की अनिष्का का गला दबाकर हत्या कर दी। घटना का पता तब चला, जब पिता घर लौटे। पुलिस ने बताया कि पूजा मानसिक रूप से विक्षिप्त है। घटना दोपहर करीब 2:30 बजे हुई, जब पूजा घर में अपनी बेटियों के साथ अकेली थी। एसडीओपी सुनील वरकड़े ने बताया कि महिला की जेठानी ने पहले गांव के चौकीदार को और फिर पुलिस को सूचना दी। उन्होंने कहा कि महिला की तीन बेटियां हैं - सात साल की, चार साल की और आठ महीने की और उसने चार साल और आठ महीने की बेटियों की हत्या की। टीआई एनबीएस परिहार ने कहा कि परिजनों से पूछताछ में यह सामने आया कि पूजा मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी महिला की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हुई है।

स्वतंत्रता दिवस

आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने स्वतंत्रता दिवस पर जनसंपर्क संचालनालय परिसर में ध्वजारोहण किया।

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस पर राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने राज्य निर्वाचन आयोग में ध्वजारोहण किया।

स्वतंत्रता दिवस

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने स्वतंत्रता दिवस पर अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान परिसर स्थित निवास पर ध्वजारोहण किया।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 18 अगस्त से 24 अगस्त 2025

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

स्वतंत्रता दिवस

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने स्वतंत्रता दिवस पर पचमढ़ी स्थित राजभवन में गुब्बारे उड़ाकर आजादी का पर्व मनाया।

स्वतंत्रता दिवस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का राज्य स्तरीय पदक विजेता सम्मान समारोह में डीजीपी श्री कैलाश मकवाना ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

स्वतंत्रता दिवस

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने स्वतंत्रता दिवस पर अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान परिसर स्थित निवास पर ध्वजारोहण किया।

स्वतंत्रता दिवस

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने श्योपुर में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली।

स्वतंत्रता दिवस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता दिवस पर शौर्य स्मारक में शहीदों को नमन कर पुष्प चक्र अर्पित किया।

जब हम कहते हैं कि हर भारतीय नागरिक को सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सम्मान के साथ जीने का भरोसा मिलना चाहिए, तो यह सिर्फ सामाजिक कल्याण की बात नहीं होती, यह हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता के संकल्प की अभिव्यक्ति भी होती है।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

बड़े भाई ने की छोटे भाई की हत्या

दुकान के विवाद में सिर पर मारी कुल्हाड़ी; पुलिस ने 5 मिनट में पकड़ा आरोपी

न्यूज क्राइम फाइल

कमल पुष्पद, मृतक

सारंगपुर में स्वतंत्रता दिवस की सुबह पैतृक जमीन को लेकर चल रहे विवाद ने खून का रूप ले लिया। यहां बड़े भाई ने छोटे भाई के सिर पर पीछे से कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना इतनी अचानक हुई कि महज 30 सेकेंड में उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस पांच मिनट में मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

सुबह टहलने निकाला था युवक

परिजनों के अनुसार मृतक कमल पुष्पद (31) सुबह टहलने गया था। घर लौटकर जैसे ही उसने दरवाजा खोला, पीछे से बड़े भाई बाबूलाल पुष्पद ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। वार इतना गहरा था कि कमल का सिर फट गया और वह वहीं गिर पड़ा। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। तुरंत पहुंची पुलिस ने आरोपी को कस्टडी में ले लिया।

दुकान बनी मौत का कारण

जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय मांगीलाल पुष्पद के तीन बेटे हैं। बड़ा बाबूलाल, मंझला कमल और सबसे छोटा दीपक। तीनों के पास शहर से लगी करीब 4.5 बीघा जमीन है, जिसमें फूलों की खेती होती थी। खेती से पर्याप्त आमदनी न होने के कारण कमल ने रेडीमेड कपड़ों की दुकान खोली, जो अच्छी चलने लगी। आरोपी का कहना था कि दुकान की कमाई में भी उसका हिस्सा होना चाहिए, जबकि कमल का कहना था कि दुकान उसकी निजी मेहनत और उधार के पैसों से शुरू हुई है, यह उसका व्यक्तिगत व्यवसाय है। छोटे भाई दीपक ने भी कमल का समर्थन किया, जिससे बाबूलाल नाराज हो गया और हत्या की योजना बना ली। सुबह बाबूलाल ने मौका पाकर कमल पर पीछे से वार कर दिया।

मृतक की पत्नी थी मायके में

घटना के समय मृतक घर पर अकेला था, क्योंकि रक्षाबंधन के दिन ही उसके घर बेटे का जन्म हुआ था और पत्नी मायके गई हुई थी। जमीन बंटवारे को लेकर तीन बार फूलमाली समाज की पंचायत हो चुकी थी, लेकिन विवाद सुलझा नहीं। एसडीओपी अरविंदसिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में मामला आपसी रंजिश और जमीनी विवाद का है। आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

कार्यक्रम में धूप में बैठे स्टूडेंट्स, छात्रा बेहोशः मंत्री विजय शाह ने ध्वजारोहण किया; आयोजन में ऑपरेशन सिंदूर की झलक दिखी

न्यूज क्राइम फाइल

रतलाम में दो दिन से विरोध के बावजूद मंत्री विजय शाह ने ध्वजारोहण किया। पुलिस परेड ग्राउंड में हुए कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री और रतलाम जिला प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। हर्ष फायर और मार्च पास्ट हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का लाइव प्रसारण चला। प्रभारी मंत्री शाह ने सीएम के बधाई संदेश का वाचन किया। कार्यक्रम में सांदीपनी हायर सेकंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने पहलगाव की घटना को बताते हुए ऑपरेशन सिंदूर की पीएम नरेंद्र मोदी के फोटो के साथ प्रस्तुति दी। इधर जिले के जावरा में अव्यवस्थाओं के चलते एक छात्रा बेहोश हो गई। बच्चे धूप में बैठे रहे, जबकि नेता व अधिकारी छांव में कुर्सियों पर बैठे रहे। रतलाम में ध्वजारोहण के मुख्य कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर की झलक देखने को मिली। सांदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने पहले पहलगाम घटना की प्रस्तुति दी, इसके बाद पीएम के फोटो के साथ ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया गया।

सम्मान एवं पुरस्कार वितरण

कार्यक्रम में पहली बार देहदान व अंगदान करने वालों के परिजनों को सम्मान किया गया। साथ ही लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान भी हुआ। स्कूली विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। पुरस्कार भी वितरण किए गया। इसके बाद प्रभारी मंत्री ने सर्किट हाउस पर समर्थकों के साथ फोटो खिंचवाई।

मंत्री शाह ने किया बच्चों का अभिवादन

ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्रगान हुआ, इसके बाद मुख्य अतिथि मंत्री विजय शाह ने ध्वजारोहण किया। खुली जीप में सवार होकर परेड की सलामी ली। स्कूली विद्यार्थियों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। परेड के बाद हर्ष फायर हुआ।

रतलाम से नागदा गए

प्रभारी मंत्री शाह दोपहर 2.30 बजे रतलाम से ट्रेन से मथुरा जाने वाले थे। लेकिन वह स्कूल में बच्चों के साथ भोजन कर नागदा के लिए निकल गए। वहां से वह ट्रेन में सवार हुए।

जावरा में छात्रा हुई बेहोश

रतलाम के जावरा में 15 अगस्त का मुख्य कार्यक्रम खाचरौद रोड स्थित कृषि उपज मंडी में हुआ। विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय ने ध्वजारोहण किया। यहां पर अव्यवस्था रही। स्कूली बच्चे नीचे जमीन पर बैठे रहे। जबकि नेता व अधिकारी गद्देदार कुर्सियों पर बैठे रहे। बच्चे धूप में परेशान होते रहे।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 18 अगस्त से 24 अगस्त 2025

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

इंदौर में कहा- हम अखंड भारत की कल्पना करते हैं, एक दिन इस्लामाबाद पर तिरंगा फहराएंगे

विजयवर्गीय बोले- 15 अगस्त को कटी-फटी आजादी मिली थी

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि एक दिन ऐसा भी आएगा, जब इस्लामाबाद पर तिरंगा फहराया जाएगा। तब अखंड भारत का सपना पूरा होगा। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को हमें कटी-फटी आजादी मिली थी। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर श्रमिक क्षेत्र में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें मंत्री विजयवर्गीय ने देशभक्ति गीत %ये देश है वीर जवानों का% और %मेरा रंग दे बसंती चोला% गाकर माहौल को जोश से भर दिया। बाल कलाकार हार्दिक सपकाले ने सैक्सोफोन पर %मेरा कर्मा तू, मेरा धर्मा तू% बजाकर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं। रात 12 बजे आतिशबाजी की गई, जबकि युवा कवियों ने वीर रस की कविताओं से कार्यक्रम को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम देर रात तक चला।

गलत नीतियों के कारण भारत माता के दो टुकड़े

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा - %गलत नीतियों के कारण भारत माता के दो टुकड़े हुए। जिस आज़ादी के लिए भगत सिंह फंदे पर झूले, वह हमें 15 अगस्त को नहीं मिली। हमें अधूरी आज़ादी मिली थी। हम अखंड भारत की कल्पना करते हैं और वह दिन आएगा, जब इस्लामाबाद पर तिरंगा झंडा लहराएगा। मोदी सरकार के नए भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट किया है और ड्रोन व मिसाइल हमलों का जवाब इस तरह दिया कि हमारे सैनिकों को खरोंच तक नहीं आई।

जून में लड़कियों के कपड़े पर दिया था बयान

मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जून 2025 में लड़कियों के कपड़ों को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें कम कपड़े पहनने वाली लड़कियां पसंद नहीं हैं। विजयवर्गीय एक छोटे भाषण का संदर्भ दे रहे थे, तभी उन्होंने इसकी तुलना छोटे कपड़ों से कर दी। उन्होंने कहा - हमारे यहां लड़कियां अच्छा पहनें, अच्छा श्रृंगार करें, अच्छे गहने और सुंदर कपड़े पहनें तो इसे अच्छा माना जाता है। लेकिन विदेशों में कम कपड़े पहनने वाली लड़कियों को अच्छा माना जाता है, यह उनकी सोच है। विजयवर्गीय ने आगे कहा ऐसा कहते हैं कि जैसे कम कपड़े पहनने वाली लड़की सुंदर लगती है, वैसे ही कम भाषण देने वाला नेता भी अच्छा माना जाता है। विदेश में ऐसी कहावत है, लेकिन मैं इसका पालन नहीं करता और न ही इसे मानता हूं।

बीजेपी विधायक ने जूता पहनकर शहीद का माल्यार्पण किया: नरेंद्र प्रजापति

एक बार फिर विवादों में आए, कांग्रेस बोली- सत्ता का दंभ सिर चढ़ा

न्यूज क्राइम फाइल

रीवा के मनगवां से भाजपा विधायक नरेंद्र प्रजापति एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। जहां उन्होंने रीवा के लाल शहीद मेजर आशीष दुबे की प्रतिमा पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जूता पहनकर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की।

क्या है पूरा मामला

दरअसल भाजपा विधायक 15 अगस्त के अवसर पर शहीद मेजर आशीष दुबे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (सांदीपनि स्कूल) मनगवां में ध्वजारोहण करने पहुंचे थे। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं और अभिवावक सहित स्थानीय लोग भी मौजूद थे। लेकिन विधायक ने कार्यक्रम स्थल में पहुंचते ही सीधे शहीद मेजर आशीष कुमार दुबे की प्रतिमा की ओर रुख किया।

जूते पहनकर शहीद किया माल्यार्पण

इसके पहले की स्थानीय लोग कुछ कह पाते विधायक जूते पहनकर ही शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंच गए और माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर दी। हालांकि आसपास मौजूद कुछ लोग आश्चर्य भरी निगाहों से उनकी तरफ देख रहे। इस मामले का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हुआ।

कांग्रेस ने शेयर किया वीडियो

मामला उस वक्त सुर्खियों में आ गया। जब शुक्रवार शाम कांग्रेस के सोशल मीडिया पैनल की नजर विधायक के लाइव पर पड़ी। जिसे भाजपा विधायक नरेंद्र प्रजापति के ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से लाइव किया गया था। कांग्रेस के आईटी सेल ने उसे बारीकी से देखा। इसके बाद विधायक कि गलती को पकड़कर अब कांग्रेस हमलावर हो गई है।

कांग्रेस बोली- सत्ता का नशा सिर चढ़ा

पूरे मामले में कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने इस घटनाक्रम को शर्मनाक और शहीद का अपमान बताया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा विधायक नरेंद्र प्रजापति को पहले ही पंचवर्षीय में सत्ता का इतना दंभ चढ़ गया है कि वह आम आदमी को कीड़ा मकोड़ा समझ रहे हैं। शहीदों का भी खुलकर अपमान करते हुए नजर आ रहे हैं। इससे अच्छा तो अगर भाजपा विधायक माल्यार्पण ना करते तो शहीद की गरिमा बनी रहती। कांग्रेस पार्टी शहीद के इस अपमान की कड़ी निंदा करती है और विधायक को माफी मांगने के लायक भी नहीं समझती है। अगले चुनाव में जनता ही विधायक को इसका जवाब देगी।

कौन थे मेजर आशीष कुमार दुबे

6 मई 2003 को, मेजर आशीष कुमार दुबे अपने आक्रमण दल के साथ जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के थाना मंडी क्षेत्र में एक अभियान पर गए। वहां पहुंचकर उन्होंने अपने सैनिकों को संदिग्ध इलाके को चारों तरफ से घेरने का आदेश दिया। जल्द ही उनकी टीम का आतंकवादियों से सामना हो गया। आतंकवादियों ने चुनौती मिलने पर गोलियां चलाना शुरू कर दीं, जिसके बाद जोरदार मुठभेड़ शुरू हो गई। मेजर दुबे ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और आतंकवादियों के भागने के रास्ते बंद करने के लिए अपने सैनिकों को समझदारी से तैनात किया।

79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आज जबलपुर स्थित जिला मुख्यालय पर भव्य परेड का निरीक्षण कर ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को सलामी दी।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

टीमकगढ़ में नवोदय स्कूल में रेलिंग पर लटकी मिली थी; आज घर आने वाली थी

पिता बोले- बेटी की हत्या की, सीढ़ियों पर शव लटकाया

न्यूज क्राइम फाइल

टीकमगढ़ के कुंडेश्वर में पीएम श्री नवोदय स्कूल में 11वीं की छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। गुरुवार शाम को हॉस्टल की सीढ़ियों की रेलिंग से आस्था अहिरवार का शव लटका मिला था। शुक्रवार को छात्रा के पिता कृष्ण कुमार अहिरवार ने कहा कि बेटी ने सुसाइड नहीं किया। उसकी हत्या कर लटका दिया गया। स्कूल प्रबंधन मामले को दबाने में लगा हुआ है। दो दिन पहले ही बेटी से बात हुई थी। वह अपने छोटे भाई के साथ 15 अगस्त को घर आने वाली थी। लेकिन आज उसका शव घर पहुंचा। बेटी को अधिकारी बनाने का सपना टूट गया है। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि पेट दर्द की शिकायत के कारण आस्था उस क्लास में नहीं गई थी और हॉस्टल में ही रुक गई थी। अब पुलिस जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही इस घटना के पीछे की असली वजह सामने आने की उम्मीद है।

पिता ने कहा- रस्सी पतली और एक हाथ लंबी

पलेरा थाना क्षेत्र के टोरिया गांव निवासी कृष्ण कुमार अहिरवार ने बताया कि गुरुवार रात जब वे स्कूल पहुंचे तो उनकी बेटी का शव सीढ़ियों पर लटका था। उन्होंने जिस तरह शव मिला, उस पर गंभीर सवाल उठाए हैं- रस्सी की स्थिति- पिता के अनुसार, गले में बंधी रस्सी केवल एक हाथ लंबी और बहुत पतली थी। उनका मानना है कि अगर आस्था ने खुद फांसी लगाई होती तो झटके से रस्सी टूट सकती थी। असामान्य मुद्रा- शव का दाहिना हाथ सीढ़ियों पर रखा हुआ था, जो एक सामान्य आत्महत्या के मामले में असामान्य है।

दो दिन पहले बेटी से हुई थी बात

पिता ने बताया कि मौत से दो दिन पहले ही उनकी आस्था से फोन पर बात हुई थी। बेटी ने खुशी से बताया था कि उसके एग्जाम खत्म हो रहे हैं। वह 15 अगस्त को अपने भाई के साथ घर आएगी। उन्होंने कहा कि आस्था खुश थी। उसने किसी भी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया था।

परीक्षा के बाद भाई से हुई थी मुलाकात

12वीं में पढ़ने वाले आस्था के भाई कौशल ने बताया कि गुरुवार को एग्जाम के बाद उनकी बहन से मुलाकात हुई थी। बाद में दोपहर 3 बजे से 4:30 बजे तक चलने वाली रेमेडियल क्लास के दौरान आस्था की मौत की खबर मिली।

जांच के लिए टीमें गठित

छात्रा की मौत के बाद नवोदय स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए भोपाल से एक जांच टीम कुंडेश्वर नवोदय विद्यालय पहुंची है। इसके अलावा दिल्ली से भी एक और जांच टीम आने की उम्मीद है। स्कूल प्रबंधन ने अंतिम संस्कार के लिए पांच शिक्षकों की एक टीम आस्था के गांव भेजी है।

ईश्वर सिंह कराड़ा, भाजपा नेता

भाजपा नेता को बीच सड़क कुल्हाड़ी और लाठियों से पीटा

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन में भाजपा नेता पर कुछ बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने पहले उनकी गाड़ी को टक्कर मारी। इसके बाद जैसे ही वह नीचे उतरे तो कुल्हाड़ी और लाठियों से पीटा। इसके बाद हमलावर भाग गए। घटना घट्टिया क्षेत्र में शुक्रवार शाम की है। जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि ईश्वर सिंह कराड़ा खजुरिया गांव से गुजर रहे थे। गांव के पास रॉन्ग साइड से आई एक गाड़ी ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। जिससे उनकी गाड़ी सामने से आ रही एक अन्य गाड़ी से टकरा गई। सूचना मिलने पर घट्टिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

शुरुआती जांच में जमीन विवाद की आशंका जताई गई है, हालांकि हमलावरों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

बिना फिटनेस और परमिट के स्कूल वाहन चलाने वालों पर परिवहन विभाग ने की कार्रवाई

न्यूज क्राइम फाइल

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जितेंद्र शर्मा के निर्देश पर परिवहन विभाग ने स्कूली वाहनों की जांच के लिए सघन अभियान चलाया। इस दौरान टीएसआई रितु रघुवंशी, परिवहन आरक्षक प्रशांत यादव, धर्मेंद्र ठाकुर और संदीप तिवारी की टीम ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में बसों और वैन की जांच की। अभियान के दौरान बिना परमिट, बिना फिटनेस, बकाया टैक्स और बिना बीमा के छात्रों का परिवहन कर रहें 5 वाहनों को मौके पर ही जब्त कर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में खड़ा कराया। साथ ही, पूर्व में जब्त वाहन से 10,87,901 रुपए का मोटरयान कर भी जमा कराया गया। बच्चों को उनके स्कूल पहुंचाने की जिम्मेदारी मौके पर

मौजूद परिवहन आरक्षकों ने निभाई, कई बच्चों को घर भी पहुंचाया।

अभिभावकों से अपील की

आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने कहा, स्कूल बसों के फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट और बीमा की अनदेखी गंभीर अपराध है। यह बच्चों की जान से खिलवाड़ है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में और सख्त अभियान चलाकर नियम तोड़ने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे 'एम परिवहन' ऐप पर जाकर अपने बच्चों के वाहन की स्थिति और दस्तावेजों की जांच करें। परिवहन विभाग ने योजना बनाई है कि शहर के सभी स्कूल वाहनों की फिटनेस, बीमा, परमिट और ड्राइवर की पात्रता की जांच की जाएगी। विशेष निगरानी निजी वैन और मैजिक वाहनों पर रखी जाएगी, जो अक्सर बिना नियमों के संचालन करते हैं।

79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हमारे अन्नदाता
किसान भाई-बहनों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

कांग्रेस बोली- उन्हें भागवत की कृपा चाहिए, ताकि 75 की उम्र के बाद भी पीएम रहें

मोदी ने लाल-किले से पहली बार आरएसएस की तारीफ की

संदीप कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जिक्र किया। उन्होंने 79वें स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में कहा- आज गर्व के साथ मैं इस बात का जिक्र करना चाहता हूं कि 100 साल पहले एक संगठन आरएसएस का जन्म हुआ। 100 साल की राष्ट्र सेवा गौरवपूर्ण है। आरएसएस ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर 100 साल मां भारती के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित किया। सेवा, समर्पण, संगठन और अप्रतिम अनुशासन जिसकी पहचान रही है, ऐसा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का सबसे बड़ा ह्लह है। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा- प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में आरएसएस का जिक्र मोहन भागवत को खुश करने के लिए किया, क्योंकि मोदी अब पूरी तरह उनके भरोसे हैं। सितंबर के बाद जब वे 75 साल के हो जाएंगे, तो पद पर बने रहे के लिए मोहन भागवत की मदद पर निर्भर हैं।

भाजपा ने 75 साल की उम्र पर कई नेता रिटायर किए

पीएम मोदी 17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे। विपक्ष के कई नेता 2024 के चुनाव से पहले और बाद में उनके 75 की उम्र पूरी करते ही रिटायर होने के चर्चा कर चुके हैं। मई, 2024 में अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि अगर भाजपा लोकसभा चुनाव जीत गई तो मोदी अगले साल तक ही प्रधानमंत्री रहेंगे। पीएम मोदी ने खुद यह नियम (75 साल की उम्र में रिटायरमेंट) बनाया है। दरअसल 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में 75 साल की उम्र से ज्यादा के नेताओं को रिटायर करने का ट्रेंड शुरू। पहली बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में इससे कम उम्र के नेताओं को ही जगह दी थी। लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को मार्गदर्शक मंडल में शामिल किया गया। 2016 में जब गुजरात की मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल ने इस्तीफा दिया तो उस समय उनकी उम्र भी 75 साल थी। उसी साल नजमा हेपतुल्लाह ने भी मोदी कैबिनेट से इस्तीफा दिया, जिनकी उम्र 76 साल थी। 2019 लोकसभा चुनाव से पहले तब के भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने एक इंटरव्यू में कहा- 75 साल से ऊपर के किसी भी व्यक्ति को टिकट नहीं दिया गया है। यह पार्टी का फैसला है। उस चुनाव में सुमित्रा महाजन और हुकुमदेव नारायण यादव जैसे नेताओं को टिकट नहीं दिया गया। इसी तरह 2024 लोकसभा चुनाव में राजेंद्र अग्रवाल, संतोष गंगवार, सत्यदेव पचौरी, रीता बहुगुणा जोशी का टिकट 75 साल से ज्यादा उम्र की वजह से काट दिया गया था।

शाह बोले- मोदी पर 75 साल का बैरियर लागू नहीं होगा

मई 2024 में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि भाजपा के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। मोदी जी 2029 तक देश का नेतृत्व करेंगे। मोदी जी आने वाले चुनावों में भी नेतृत्व करेंगे। इसी तरह पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा के संविधान

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

में कहीं भी आयु को लेकर ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। अगले 5 साल के कार्यकाल में मोदी जी देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। मोदी जी हमारे नेता हैं। भविष्य में भी हमारा नेतृत्व करते रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी को दिए इंटरव्यू में कहा था, मैं भाजपा का वरिष्ठ नेता होने के नाते ये कहना चाहता हूं कि 2024 में भी वो (नरेंद्र मोदी) भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे। 2029 में भी वो भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे।

नड्डा बोले थे- पहले आरएसएस की जरूरत थी, आज भाजपा सक्षम

2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने द इंडियन एक्सप्रेस को एक इंटरव्यू दिया था। 19 मई, 2024 के इस इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि आरएसएस सांस्कृतिक संगठन है, जबकि भाजपा राजनीतिक संगठन है। शुरुआत में हम कम सक्षम और छोटे थे। उस समय हमें आरएसएस की जरूरत थी। आज हम बड़े हो गए हैं और हम सक्षम है। सक्षम हैं तो भाजपा अपने आप को चलाती है। इस बयान के बाद भाजपा-आरएसएस में खटपट की खबरें आने लगी थीं।

खड़गे बोले- भाजपा सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाएगी

न्यूज क्राइम फाइल

बिहार एसआईआर के विरोध और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए अनैतिकता की किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने कहा कि देश भर के चुनावों में कई गड़बड़ी सामने आ रही हैं। इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में तिरंगा फहराने के बाद स्वतंत्रता दिवस के भाषण में उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्ड्ढक्र) के नाम पर विपक्ष के वोट काटे जा रहे हैं, जबकि जिंदा लोगों को मृत बताया जा रहा है। बिहार मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर कांग्रेस

के विरोध का जिक्र करते हुए खड़गे ने कहा कि यह चुनाव जीतने की लड़ाई नहीं है, बल्कि भारत के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की लड़ाई है। दरअसल, विपक्ष लगातार बिहार एसआईआर का विरोध कर रही है साथ ही चुनाव आयोग और भाजपा पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप लगा रही है। इसी को लेकर विपक्ष संसद के मानसून सत्र में भी हंगामा कर रही है, जिससे सदन की कार्यवाही नहीं हो पा रही है। वोटर लिस्ट सार्वजनिक करने पर- चुनाव आयोग यह बताने को तैयार नहीं है कि किसके वोट काटे जा रहे हैं और किस आधार पर। यह चुनाव आयोग की कैसी निष्पक्षता है। हम सुप्रीम कोर्ट के आभारी हैं, जिसने जनता की आवाज सुनी और चुनाव आयोग को वोटर लिस्ट सार्वजनिक करने का निर्देश दिया। भाजपा पर ED-CBI के दुरुपयोग का आरोप- ED और CBI जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों और आयकर विभाग का विपक्षी दलों के खिलाफ राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इतने खुलेआम इस्तेमाल किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट को उन्हें आईना दिखाना पड़ा।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623